प्रेषक,

डा0 रजनीश दुबे,
प्रमुख सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1- महानिदेशक,
चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण,
लखनऊ ।

2- कुलपति,
उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय,
सैफई, इटावा।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2 **लखनऊः दिनांक 26 दिसम्बर, 2017**

विषयः- वित्तीय वर्ष 2017-18 में अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत असाध्य रोगों के निःशुल्क उपचार हेतु मानक मद-20-सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन) में धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-48/2017/1665/71-2-17-18/2012, दिनांक 13 जून, 2017 एवं शासनादेश संख्या-60/2017/3063/71-2-17-18/2012, दिनांक 31 अगस्त, 2017 तथा शासनादेश संख्या-70/2017/3748/71-2-17-18/2012, दिनांक 26 अक्टूबर, 2017 के क्रम में यह कहने का निदेश हुआ है कि संस्थान/विश्वविद्यालय में आने वाले असाध्य रोगों से पीडित मरीजों की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष निम्नलिखित मेडिकल कालेज/विश्वविद्यालय को उनके सम्मुख अंकित कुल धनराशि रू0 03,00,00,000/- (रूपया तीन करोड़ मात्र) स्वीकृत किये जाने की राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-

क्र0	मे0का0/संस्था/विश्वविद्यालय का नाम	धनराशि (लाख में)
1	उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा।	50.00
2	हृदय रोग संस्थान, कानपुर।	150.00
3	राजकीय मेडिकल कालेज, झांसी।	50.00
4	राजकीय मेडिकल कालेज, आगरा।	50.00
	योग-	300.00

2- अवमुक्त की जा रही धनराशि बैंक/डाकघर/पी0एल0ए0 में नहीं रखी जायेगी। धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार करते हुए व्यय नियमानुसार सुनिश्चित किया जायेगा।

3- उत्तर प्रदेश में असाध्य रोगों के निःशुल्क उपचार हेतु नियमावली-2013 (यथासंशोधित) में निहित व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- संस्थान/विश्वविद्यालय का यह दायित्व होगा कि रोगी के उपचार का समस्त व्यय वहन करने तथा उसकी प्रतिपूर्ति/समायोजन शासन द्वारा आवंटित बजट की सीमा तक ही करेंगे एवं किसी एक वित्तीय वर्ष की लम्बित धनराशि अगले वित्तीय वर्ष में अग्रेनीत नहीं की जायेगी।

5- अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है, किन्ही अन्य मद में धनराशि का व्यय अथवा व्ययावर्तन वित्तीय अनियमितता होगी।

6- उक्त मद में अगली किस्त तभी निर्गत की जायेगी जब निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र तथा लाभार्थियों की सूची उपलब्ध करायी जायेगी।

7- वित्त विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-8/2017/बी-1-1190/दस-2017-231/2017, दिनांक 03 अगस्त, 2017 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

8- धनराशि को कोषागार से मेडिकल कालेज/संस्थान/विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक/वित्त अधिकारी द्वारा आहरित किया जायेगा तथा बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0, लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जायेंगे।

9- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2017-18 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के लेखाशीर्षक-"2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-05-चिकित्सा,शिक्षा-प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-0368-असाध्य रोगों के इलाज हेतु नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा-20-सहायता अनुदान-सामान्य(गैर वेतन)" के नामे डाला जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- ई-3/1450/दस-2017, दिनांक 22 दिसम्बर, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 रजनीश दुबे)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 98/2017/3250 (1)/71-2-17-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
2. प्रधान महालेखाकार (सिविल आडिट) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद।
3. प्रधानाचार्य, राजकीय मेडिकल कालेज, आगरा/झांसी।
4. निदेशक, हृदय रोग संस्थान, कानपुर।
5. संबंधित कोषाधिकारी, (इटावा/कानपुर/झांसी/आगरा)
6. संबंधित वित्त अधिकारी/वित्त नियंत्रक।
7. वित्त ई-3/नियोजन अनुभाग-4/ (आय-व्ययक)-2
8. स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग उ0प्र0 लखनऊ।
9. प्रभारी अधिकारी, एन0आई0सी0, छठा तल, योजना भवन।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नीलेश कुमार सिंह)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।